

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 66]

नई दिल्ली, बृहस्पतिबार, फरवरी 10, 1877 माघ 21, 1898

No 661

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 10, 1977/MAGHA 21, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 10th February 1977

S.O 159(E)/15/TDRA/77.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs National Rubber Manufacturing Limited, Calcutta, is engaged in a scheduled industry, namely, Rubber Goods industry,

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the conditions prevailing, there is no justification,

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of.—

Chairman

 Dr S. P Verma, Dy. Director General, Directorate General of Technical Development, New Delh;

Members

- 2. Shri M. K Kar Gupta, Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta
- Shri A. K. Biswas, Chartered Accountant, Messrs Mukherjee, Biswas and Pathak, Calcutta.
- 2 The above body shall submit its report within a period of five weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette

[No F. 2(24)/76-CUC]

उद्योग मंत्रालय

(ग्रीशोगिक विकास विभाग)

श्रादेश

नई दिल्लो, 10 फरवरी 1977

सा॰ का॰ 159 (म्र)/15/आई डी आर ए/77.—मैसर्स नेशनल रवर मैन्यूफैक्चरर्स लि॰, कलकत्ता, नामक खौद्योगिक उपक्रम प्रतुपुचित उद्योग प्रथीत् रवर के मामान के उद्योग में लगा है।

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त श्री इयोगिक उपक्रम में वितिमित वस्तुश्रों के उत्पादन की मात्रा में पर्योप्त कमी हुई है जो विद्यमान दशाश्रों को ध्यान में रखने हुए न्यायोचिन नहीं है।

श्चनः श्रव केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुं , इस मामले की परिस्थिनियों का समस्त श्रीर सम्पूर्ण श्रन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का एक निष्य नियुत्त करती हैं, जिसमें निम्न- लिखित व्यक्ति होगें :--

प्रध्यक्ष

डा० एस० पी० वर्मी,
 उप-महानिदेशक,
 तकनीकी विकास का महानिदेशालय,
 नहीं दिल्ली।

सदस्य

- श्री एमं० के० कार गुप्ता,
 सचित्र,
 बंद ग्रीर रुग्ण उद्योग विभाग,
 पश्चिमी बगाल सरकार,
 कलकत्ता।
- 3. श्री ए० के० विश्वास, चाटर्ड एकाउन्टेंट, मे० मुखजी, विश्वास एण्ड पाठक, कलकत्ता।
- 2. उक्त निकाय इस श्रादेश के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से पाच पप्ताह के भोतर श्रपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

[मं०फा० 2 (24)/76-सी० यु० सी०]

S.O. 160(E)/15/IDRA/77—Whereas the industrial undertaking known as Messrs Inchek Tyres Limited, Calcutta, is engaged in a scheduled industry, namely, Rubber Goods industry.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the conditions prevailing, there is no justification,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of.—

Chairman

 Dr S P, Verma, Dy Director General, Directorate General of Technical Development, New Delhi.

Members

- Shri M. K Kar Gupta, Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, Calcutta
- Shri A. K. Biswas, Chartered Accountant, Messrs Mukherjee, Biswas and Pathak, Calcutta.
- 2. The above body shall submit its report within a period of five weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette

[No. F, 2(24)/76-CUC]

A. K. GHOSH, Addl Secy

का॰ ग्रा॰ 160 (ग्र)/15 ग्राई॰ डी॰ भार॰ ए॰/77.—मैसर्स इनचेक टायर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक भौद्योगिक उपक्रम श्रनुसूचित उद्योगों श्रर्थात् रवर के सामान के उद्योग में लगा है ;

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुश्रों के उत्पादन की मान्ना में पर्याप्त कमी हुई है जो विद्यमान दशाश्रों को ध्यान में रखते हुए न्यायोजित नहीं है ;

श्रतः श्रव केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस मामले की परिस्थितियों का समस्त श्रौर सम्पूर्ण श्रन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :---

ग्रध्यक्ष

डा० एस० पी० वर्मा,
 उप-महानिदेशक,
 तकनीकी विकास का महानिदेशालय,
 नई दिल्ली ।

सदस्य

 श्री एम० के० कार गुप्ता, सचिव, बन्द श्रीर मण उद्योग विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता ।

- श्री ए० के० विश्वास,
 चार्टर्ड एकाउन्टेट,
 मै० मुखर्जी, बिश्वास एण्ड पाठक,
 कलकत्ता ।
- 2. उक्त निकाय इस श्रादेश के राजपव मे प्रकाशन की तारीख से पाच सप्ताह के भीतर श्रपनी रिपोर्ट प्रस्तुन करंगा ।

[स॰ फा॰ 2(24)/76-सी॰यू॰सी॰] ूए॰ के॰ घोष, अपर सचिव।